भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1357
03 दिसंबर 2024 को उत्तरार्थ

विषय: किसानों पर वित्तीय दबाव कम करने के लिए पहलें

1357. श्री कुलदीप इंदौरा:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि**:**

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पिछले पांच वर्षों में बकाया ऋण वाले किसान परिवारों का प्रतिशत बढ़ा है;

(ख) सरकार द्वारा अधिक से अधिक किसान परिवारों को ऋण पर निर्भर हुए बिना अपने खर्चों या जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाने हेतु प्रस्तावित उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार किसानों पर वित्तीय दबाव को कम करने और अपने बढ़ते खर्चों को पूरा करने के लिए ऋण पर उनकी निर्भरता को कम करने के लिए कोई नई पहल कर रही है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(1) कृषि ऋण का विवरण निम्नानुसार है:-

वर्ष	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
(क) कुल बकाया कृषि ऋण (रुपए करोड़ में)	2058730.24	2277427.93	2513498.941	2888172.88	3352645.70
(ख) बकाया राशि के प्रति खाते की संख्या (लाख में)	1493.78	1531.96	1611.74	1741.04	1874.70
(ग) प्रति किसान खाते पर बकाया (रुपये में)	137799.88	148657.18	155924.25	165891.61	178807.77

(स्रोत: आरबीआई/नाबार्ड)

संस्थागत स्रोतों के माध्यम से ऋण का विकल्प चुनने वाले किसानों के खातों की संख्या दिनांक 31.03.2020 से 31.03.2024 तक 380.92 लाख बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त, प्रति कृषि ऋण खाते में बकाया राशि दिनांक 31.03.2020 में 137799.88 रुपये से बढ़कर दिनांक 31.03.2024 तक 178807.77 रुपये हो गया है।

इसके अतिरिक्त, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कृषि ऋणों का एन.पी.ए. पिछले 5 वर्षों (अर्थात वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2023-24 तक) के दौरान कम हो गया है:

अवधि	एससीबी	सहकारी बैंक	आरआरबी
2019-20	10.3%	7.99%	8.72%
2023-24	6.20%	5.32%	6.65%

इस अवधि के दौरान एनपीए में कमी किसानों की चुकौती क्षमता में सुधार का संकेत देती है।

(ख) एवं (ग) भारत सरकार की विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम उत्पादन में वृद्धि, लाभकारी प्रतिफल एवं आय सहायता प्रदान करके किसानों का कल्याण करने के लिए तैयार की गई हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि को अधिक लाभकारी बनाने और किसानों को कृषि ऋण के वितरण सहित आर्थिक रूप से अधिक सक्षम करने के लिए शुरू और कार्यान्वित की गई योजनाओं/कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

****

लो.स.अ.ता.प्र.सं.1357

अनुबंध-I

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि को अधिक लाभकारी बनाने और किसानों को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम करने के लिए शुरू की गई नई योजनाओं/कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण

1. पिछले कुछ वर्षों में बजट आवंटन में वृद्धि

वर्ष 2013-14 में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग का बजट आवंटन केवल 21933.50 करोड़ रुपये था। यह वर्ष 2024-25 में 5.58 गुना से अधिक बढ़कर 1,22,528.77 करोड़ रुपये हो गया है।

2. उत्पादन लागत का डेढ़ गुना एमएसपी तय करना

सरकार ने वर्ष 2018-19 से अखिल भारत भारित औसत उत्पादन लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत के प्रतिफल के साथ सभी अनिवार्य खरीफ, रबी और अन्य वाणिज्यिक फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि की है।

3. पीएम किसान के माध्यम से किसानों को आय सहायता

वर्ष 2019 में पीएम-किसान का शुभारंभ- यह एक आय सहायता योजना है जो 3 समान किस्तों में प्रति वर्ष 6000 रुपये प्रदान करती है। अब तक, पात्र किसानों को 3.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि रिलीज की जा चुकी है।

4. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पी.एम.एफ.बी.वाई.)

मौसम के जोखिम को कम करने के लिए किसानों को फसल बीमा प्रदान करने के लिए 2016 में प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी।

5. एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

ग्रामीण और कृषि क्षेत्र में बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए निवेश जुटाने के लिए एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड लॉन्च किया गया था।

6. एफ.पी.ओ का प्रचार

नए 10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन के लिए एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना 2020 में शुरू की गई।

7. मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनापोषक तत्वों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए वर्ष 2014-15 में शुरू की गई थी।

8. प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी)

देश में सूक्ष्म सिंचाई प्रदान करने के लिए प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) लागू किया जा रहा है।

9. राष्ट्रीय खाद्य तेल – ऑयल पाम मिशन एवं राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन का शुभारंभ

पाम तेल और तिलहन किसानों को बढ़ावा देने के लिए नई केंद्र प्रायोजित योजना अर्थात् राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ)-ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ)-तेल बीज (एनएमईओ-ओएस) शुरू की गई।

10. ई-नाम विस्तार प्लेटफार्म की स्थापना

किसानों को बेहतर बाजार पहुंच प्रदान करने के लिए ई-एनएएम विस्तार मंच की स्थापना।

11. संस्थागत कृषि ऋण :

प्रायोरटी सेक्टर लैंडिंग (पी॰ एस॰ एल) विनियमन के अनुसार, सरकार ने यह अनिवार्य किया है कि बैंक अपने कुल ऋण का 18% कृषि और संबद्ध क्षेत्र को प्रदान करेंगे। वर्ष 2016 से छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक उप-सीमा तय की गई है जो वर्तमान में 10% है (अर्थात कुल कृषि ऋण का 56% छोटे और सीमांत किसानों को मिलना चाहिए)।

किसानों के लिए कुल कृषि ऋण वर्ष **2014-15 में 8.45 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ रुपये हो** गया है, जिसमें 15.07 लाख करोड़ रुपये के फसल ऋण शामिल हैं।

12. संशोधित ब्याज छूट स्कीम (एम॰आई॰एस॰एस)

किसानों को केसीसी के माध्यम से उनकी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए रियायती ब्याज दर पर अल्पावधि कृषि ऋण प्रदान करने के लिए संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) लागू की जा रही है।

13. एमआईडीएच- क्लस्टर विकास कार्यक्रम

फलों, सब्जियों, जड़ और कंद फसलों, मशरूम, मसालों, फूलों, सुगंधित पौधों, नारियल, काजू और कोको को कवर करने वाले बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (एमआईडीएच) लागू की जा रही है।

14. देश में जैविक खेती को बढ़ावा देना

(i) देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) शुरू की गई थी। इसके अलावा, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया गया है।

(ii) सरकार का भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) स्कीम के माध्यम से सतत प्राकृतिक कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव है। प्रस्तावित स्कीम का उद्देश्य खेती की लागत में कटौती करना, किसानों की आय बढ़ाना और संसाधन संरक्षण तथा सुरक्षित और स्वस्थ्य मृदा, पर्यावरण एवं खाद्य सुनिश्चित करना है।

(iii) पूर्वोत्तर क्षेत्र में मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट (MOVCDNER) लॉन्च किया गया है।

15. सूक्ष्म सिंचाई फ़ंड

नाबार्ड के साथ एक सूक्ष्म सिंचाई कोष बनाया गया है।

16. राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम)

वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन के समग्र प्रचार और विकास और "मीठी क्रांति" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 2020 में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) शुरू किया गया था।

17. कृषि मशीनीकरण

किसानों को सब्सिडी वाली मशीनरी उपलब्ध कराने के लिए सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन (एसएमएएम) के माध्यम से कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

*****